a2zpapers.com

Sr. No. 2115

Exam. Code: 108005
Subject Code : 2504

B.A. (Hons.) 5th Semester

(2116)

Paper : Hindi (Bhagti & Samkalin Kavya)

Time Allowed : 3 Hrs. **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। निदेशानुसार उतर दें।

भाग–क

नोट : निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य है।

10x2=20

1 मोहन सपरा के काव्य की दो विशेषताएं लिखें।

2 'धूप से कहो' कविता का आशय स्पष्ट करें।

3 तुलसीदास के जीवन पर संक्षिप्त नोट लिखें।

4 तुलसी के राम का स्वरुप स्पष्ट करें

5 रसखान की कृतियों का परिचय दें।

6 रसखान के काव्य में किन छंदों का प्रयोग है ? किन्ही दो का उदाहरण दें।

7 मोहन सपरा के कृतित्व पर संक्षिप्त नोट लिखें।

8 रसखान के काव्य के भाव पक्ष पर संक्षिप्त नोट लिखें।

9 'तीसरा पात्र' कविता का उद्देश्य स्पष्ट करें।

10 उत्तरकाण्ड का संक्षिप्त परिचय दें।

a2zpapers.com

a2zpapers.com

Sr. No. 2115

Exam. Code: 108005
Subject Code : 2504

भाग–ख

नोट : यह भाग दो उपभागों में विभक्त है । निर्देशानुसार उतर दें

उपभाग–1

नोट : निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्ही चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

4x6=24

1 खेलत फाग सुहाग भरी अनुरागहि लालन को धरि कै।
मारत कुंकुम केसरि के पिचकारिन में रंग को भरि कै।।
गेरत लाल गुलाल लली मनमोहिनी मौज मिटा करि कै।
जात चली रसखानि अली मदमस्त मनो मन कों हरि कै।।

2 कौन ठगौरी भरि हरि आजु बजाई है बांसुरिया रंग भीनी।
तान सुनी जिहीं तिन्ही तबहीं तिन लाज विदा कर दीनी।।
धूमै घड़ी घड़ी नन्द के द्वार नवीनी कहा कहुं बाल प्रबीनी।
या ब्रजमंडल में रसखानि सु कौन भटू जो लटू नहिं कीनी।।

3 बालू की चमक पर तैरते हुए क्यों चलें।
क्यो न पेड़ के सीने पर पेड़ उगायें।
नदी को समुन्द्र में बदलें
हाथों को मशाल बनायें
और खुद तुफान बन जाएँ।

a2zpapers.com

a2zpapers.com

Sr. No. 2115

Exam. Code: 108005
Subject Code : 2504

4 शहर की पहचान–बन जाती है,
जब मुर्दा सराय!
घर और दस्तक का रिश्ता भर जाता है!
हवाएं गूँगी हो जाती हैं।
और मौसम बहरा!

5 मीत पुनीत कियो कपि भालु करो, पाल्यो ज्यों काहु न बाल तनूजो।
सज्जन सींव विभीषन भो, अजहूँ, बिलसै बर बंधु–बंधु जो।।
कोसलपाल बिना तुलसी, सरनागतपाल कृपालु न दूजो।
कूर कुजाति कुपूत अघी सब की, सुधरै जो करै नर पूजो।।

6 प्रभु सत्य करी प्रहलाद गिरा, प्रगटे नरकेहरि खंभ महाँ।
झखराज ग्रस्यो जगराज, कृपा ततकाल, बिलंष कियो न तहाँ।।
सुर साखी दै राखी है पांडुबधू, पट लूटत, कोटिक भूप जहाँ।
तुलसी भजु सोच–बिमोचन को, जन को पन राम न राख्यो कहाँ।।

उपभाग–2

नोट : निम्नलिखित 6 प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों का उतर दें।

6x4=24

1 तुलसी के काव्य की शिल्पगत विशेषताएं लिखें।
2 कवितावली के कितने काण्ड हैं । संक्षिप्त परिचय दें।
3 'देश भूगोल नही होता' कविता का मूल भाव स्पष्ट करें।
4 आधुनिक युग में तुलसी के काव्य की प्रासंगिकता क्या है ?
5 'मुखौटों के खिलाफ' कविता का भावार्थ बताएं।

a2zpapers.com

a2zpapers.com

6 रसखान के काव्य में होली वर्णन किस प्रकार किया गया है ?

भाग–ग

नोट : निम्नलिखित 4 प्रश्नों में से किन्ही दों प्रश्नों के उतर दें।

16x2=32

1 रसखान की भक्ति भावना पर सविस्तार नोट लिखें।

2 हिन्दी साहित्य में तुलसीदास के योगदान पर विस्तार से चर्चा करें।

3 हरमहेन्द्र सिहं बेदी के काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा करें।

4 पाठ्यक्रम में निर्धारित मोहन सपरा की सभी कविताओं का मूल भाव स्पष्ट करें।

*****

a2zpapers.com